



## न्यूज ब्रीफ

दिवाली से पहले महंगाई भत्ता देने की मांग

अमृत विचार, लखनऊः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेन तिवारी ने मुख्यमंत्री की पत्र भेजकर प्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों और 16 लाख पेशेवरों को 1 रुपये 2025 से 3 प्रतिशत बढ़ा दिया है। महंगाई भत्ता (टीए) और महंगाई राहत (टीआर) का भुगतान दिवाली से पूर्व करने की मांग की है। मुख्यमंत्री व मंत्रियों प्राप्ति ग्राहन युक्त शुल्क ने प्रेस संस्कृति में बताया कि मांगाने के मुद्यमंत्री के आधिकारिक ईमेल और एक्स-डॉक्टर जेन तिवारी ने कहा कि इस दिन मंदिरों पर रामायण पाठ और धार्मिक आयोजन होंगे।





## न्यूज ब्रीफ

### दशहरा मेले में पिटाई से युवक गंभीर

जेदपुर, बाराबंकी : अमृत विचार।

जेदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दशहरा

मेले दुर्घटने गए एक युवक पर दबाओं

ने भीड़ का फायास उठाकर हमला

कर दिया। तहरीर के अनुसार ग्राम

पहाड़ियापुर, मजरे कोला घाँड़वड़ी

निवासी सीधी कुमार पुत्र

सहजराम 2 अवटरवर को बरेया

चौराहा रिश्त दशहरा मेले में धूमने

गए थे। उसी दौरान गढ़ घाँड़नुपुरा

निवासी ने एवं प्रदुषन पुत्र

खुलाता, विश्वाम पुत्र मरीचन्द्र,

गाल पुत्र कल्प अशीष पुत्र बासुदेव,

राजन पुत्र शश, ज्ञानवन्द पुत्र बारत

तथा नदविश्वर के थेट समेत कई

लोगों ने मिलक बेटा, लाली और

डॉडों से उन पर लाला कर दिया।

साथी कुमार ने बताया कि पिटाई के

दौरान उड़े गंभीर गोंदे आई है। वहीं

विषक्षणों ने जान से मारने की धमकी

भी दी। बरान की सुनाना पुलिस को

दी गई है। पीड़ित को तहरीर पर

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू

कर दी है।

**रेलवे लाइन किनारे**

**मिला वृद्ध का शव**

मरीसी, बाराबंकी : अमृत विचार।

शनिवार सुबह घर से निकले वृद्ध

का शव गांव से करीब 4 किमी दूर

रेलवे परीके के फिल्म बारम्ब हुआ।

पुलिस ने शव को पोर्टरम के

उपर भेज दिया है। सफरदर्जन ज्ञाना

क्षेत्र के ग्राम रसीदी निवासी 80

वर्षीय वृद्ध अमायकाश गृहा शनिवार

की सुबह साइकिल से घर से निकले

थ। उक्ता शव ग्राम कम्पुलाउर

के निकट लग्नान अयोध्या रोडे

लाइन पर पार पिला। मृतक व्याय

र पर ऐसे देखे का काम करता था।

जानकारी के अनुसार अमायकाश

गृहा शनिवार की सुबह वसूली के

लिए निकले थे। पुलिस घटना की

जांच कर रही है।

नगर पंचायत भरतकुंड भद्रसा के

सभासद प्रेम बाबू मौर्य ने बताया कि कई

साल से इस पौराणिक सरोवर की सफाई

कार्यकारी अधिकारी मत्स्य सुषमा ने भी

नहीं हुई। सरोवर के उग्रे कम्पो

पुलिस की पुष्टि की है।

अपर जिला जज ने वृद्धों को किया जागरूक

जिला संवाददाता, अंडेकरनगर

## चेहरे की पहचान के बाद ही बच्चों को मिलेगा भोजन

जिले के 2381 आंगनबाड़ी केंद्रों के 2.23 लाख बच्चों पर लागू होगी व्यवस्था, सीडीपीओ को दिये निर्देश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : वेसिक और माध्यमिक विचार की तर्ज पर अब आंगनबाड़ी केंद्रों के नैनिहालों के बच्चों की भी हाजिरी व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवलेन-कूदने और प्रार्थिक विचार की तर्ज पर हाजिरी व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया गया है।



यह हैरान कर देने वाला आदेश है, जब छोटे बच्चों के चेहरे की पहचान करने के लिए जारी हो गई है। यहां छाल मास के बच्चों की व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवलेन-

कूदने और प्रार्थिक विचार की तर्ज पर हाजिरी व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवलेन-

कूदने और प्रार्थिक विचार की तर्ज पर हाजिरी व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवलेन-

कूदने और प्रार्थिक विचार की तर्ज पर हाजिरी व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया गया है।

लाभार्थियों को लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू हो रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से मिशन सक्षम आंगनबाड़ी, पोषण 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं में लगातार घपले की सूचनाओं के बाल सभी जिलों में तकाल प्रभाव से यह व्यवस्था दी जा रही है। हालांकि आंगनबाड़ी चेहरे की पहचान के लिए 2381 आंगनबाड़ी केंद्रों पर परीक्षण और 12 लाख बच्चों को उपचार प्रदान किया जा चुका है। इसके लिए बच्चों का पूरा व्यौरा सिस्टम के सॉफ्टवेयर

आंगनबाड़ी केंद्रों में एक स्पष्ट मैं

सॉफ्टवेयर तैयार करना है। इसके अलावा आंगनबाड़ी, पोषण 2.0 सहित विभिन्न योजनाओं में लगातार घपले की सूचनाओं के बाल सभी जिलों में तकाल प्रभाव से यह व्यवस्था दी जा रही है। बताया जाता है कि वायराव तांच के तहत पांच वर्ष के देख देखने में डेढ़ लाख बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और 12 लाख बच्चों को उपचार प्रदान किया जा चुका है। इसके लिए बच्चों का पूरा व्यौरा सिस्टम के सॉफ्टवेयर

हादसे में बहन के घर जा रहे थे युवक की मौत, साथी घायल

संवाददाता, फतेहपुर (बाराबंकी)

की मिठाई देने वाले के घर जा रहे थे।

कस्बा फतेहपुर में मस्तान रोड पर

उनकी बाल को पीछे से आ रहे

तेज रफ्तार डंकने ने जोरदार टक्कर

मार दी। हादसे में यांगीर रूप से

घायल तलहा को सीएससी फतेहपुर

ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान

उनकी मृत हो गई। वहीं, बाल कर

सवार अब्दुल सफी आंशिक रूप

से घायल हो गया। घटना के बाद

मृतक के पैरिवार में कोहाराम मच

गया। मृतक के तीन पुत्र अदनान,

जिशान और फौजान हैं। पल्ली

शफिकुन का गो-रो-रोक बुरा हाल

है। पुलिस ने शब पोस्टमर्टम के

लिए भेज दिया है।

## भरतकुंड के कैकेयी सरोवर में मृत मिली मछलियां

मरीसी, अयोध्या

अमृत विचार : भरत जी की तपोभूमि

नदीग्राम के पौराणिक सरोवर में शनिवार

सुबह बड़ी संख्या में मछलियां मृत होकर

उत्तराती दिखीं। इसके लिए जरूर सरोवर के चौराजी के पास पर्याप्त रेत भी उपलब्ध है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर के लिए जरूरी है।

अंडेकरनगर की तर्ज पर अपर जिला जज ने बताया कि अंडेकरनगर क











# आसान नहीं था पांच हजार से दो करोड़ तक का नोरा का सफर

हमेशा सुखियों में रहने वाली ग्लैमर कवीन नोरा फतेही आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्मों तक, हर जगह उनके डांस मूर्त्यों और स्टाइल ने लोगों को दीवाना बना दिया है, लेकिन जिस मुकाम पर आज नोरा हैं, वहां तक पहुंचना उनके लिए आसान नहीं था। उन्हें यह सफलता रातों-रात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे छिपा है वर्षों का संघर्ष, आत्मविश्वास और हार न मानने का जज्बा। आइए जानते हैं कि नोरा फतेही ने स्ट्रगल के दिनों में क्या सहा है।

## कनाडा की गलियों से मुंबई की चमक तक

नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था। वह बचपन से ही फिल्मों और डांस की दीवानी थी। जब उनके दोस्रों के सप्तम विजेनेस या जॉब तक सीमित थे, नोरा के मन में सिर्फ़ एक खाब था—फिल्मों की दुनिया में पहचान बनाना। उन्होंने तय किया कि वहां रहना कितना भी कठिन व्याप्ति न हो, वो अपनी मजिल तक जरूर पहुंचेंगी। यहीं जज्बा उन्हें कनाडा से भारत खींच लाया। सोचिए, एक 22 साल की लड़की, जिसके पास सिर्फ़ 5000 रुपये थे, जो न भाषा जानती थी, न यहां कोई पहचान, उसने जब मुंबई की धरती पर कदम रखा, तो यह सफर कितना कठिन रहा होगा।



## संघर्ष के दिन

नोरा बताती है कि शुरुआती दिनों में उनका जीवन बेद कठिन था। उन्होंने बताया कि “जब मैं भारत आई, मेरे पास सिर्फ़ 5000 रुपये थे। मैं और नोरा लोग एक 3 वीएचके प्लेट में रहते थे। वो लड़कियों के साथ एक छोटा-सा कम्प शेर करती थी। उन्हें वरकत सोचती थी—हे भगवान, मैं यहां क्यों आई?” यह वो दौर था जब न उन्हें खासी काम मिल रहा था, न कोई गोदान करने वाला था। कई बार टारी हुई, बल्कि गलत लोगों पर भरोसा करने से निराशा हाथ लगी, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मारी।

## पहला कदम: ‘रोरे’ से शुरुआत

नोरा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2014 में फिल्म ‘रोरे: टाइगर्स 30के द सुरुरन्त’ से की। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा नहीं बढ़ी, लेकिन इससे उन्हें इंडस्ट्री में एक पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख किया, जहां उनके डांस ने सबको ध्यान खींचा। उप्रास टारिक फिल्म ‘बाबूली: द विगिनिंग’ में उनका डांस सीरीजेस यादगार साबित हुआ। नोरा की मेहनत रंग लाने लगी थी। उन्होंने धीरे-धीरे अपने कदम मजबूती किए और ‘दिलबर’, ‘कर्मया’, ‘साकी-साकी’ और ‘गमी’ जैसे सुपरहिट गानों के जरिए डासिंग कीवीन बन गई।

## कभी निराश मत होना

नोरा ने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहती है कि कई बार उन्हें भारतीय फिल्म लोगों और डांस की दीवानी थी। जब उनके दोस्रों के सप्तम विजेनेस या जॉब तक सीमित थे, नोरा के मन में सिर्फ़ एक खाब था—फिल्मों की दुनिया में पहचान बनाना।

उन्होंने तय किया कि वहां रहना कितना भी कठिन व्याप्ति न हो, वो अपनी मजिल तक जरूर पहुंचेंगी। यहीं जज्बा उन्हें कनाडा से भारत खींच लाया। सोचिए, एक 22 साल की लड़की, जिसके पास सिर्फ़ 5000 रुपये थे, जो न भाषा जानती थी, न यहां कोई पहचान, उसने जब मुंबई की धरती पर कदम रखा, तो यह सफर कितना कठिन रहा होगा।

नोरा फतेही का जन्म कनाडा में हुआ था। वह बचपन से ही फिल्मों और डांस की दीवानी थी। जब उनके दोस्रों के सप्तम विजेनेस या जॉब तक सीमित थे, नोरा के मन में सिर्फ़ एक खाब था—फिल्मों की दुनिया में पहचान बनाना।

उन्होंने तय किया कि वहां रहना कितना भी कठिन व्याप्ति न हो, वो अपनी मजिल तक जरूर पहुंचेंगी। यहीं जज्बा उन्हें कनाडा से भारत खींच लाया। सोचिए, एक 22 साल की लड़की, जिसके पास सिर्फ़ 5000 रुपये थे, जो न भाषा जानती थी, न यहां कोई पहचान, उसने जब मुंबई की धरती पर कदम रखा, तो यह सफर कितना कठिन रहा होगा।



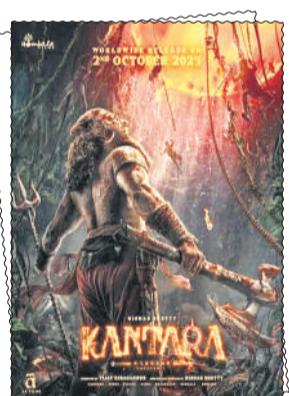
शाहरुख खान को राष्ट्रीय पुरस्कार की एटली ने कर दी थी भविष्याणी

दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक एटली ने फिल्म जवान की शूटिंग के दौरान ही बता दिया था कि शाहरुख खान को इस फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। वर्ष 2023 में प्रदर्शित एटली के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म जवान के लिए शाहरुख खान को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के प्रोशेन के दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने बताया कि जवान की शूटिंग के दौरान एटली ने निर्दरता से भविष्यवाणी की थी कि शाहरुख खान को उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने कहा, “जब हम जवान एटली के लिए शाहरुख खान को उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, तो हम उन्हें खुद खाना देते हैं। एटली सर पहले ही बता चुके थे कि शाहरुख खान राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले हैं।” वह यह इतनी आत्मविश्वास के साथ कहते थे और अब देखो, उन्होंने नेशनल अवार्ड जीता।” यह भविष्यवाणी अब इतिहास बन चुकी है। शाहरुख खान ने अपने 30 साल के करियर में आखिरकार प्रतिष्ठित नेशनल अवार्ड जीता, जो सिर्फ़ उनके लिए ही नहीं, बल्कि एटली के लिए भी एक मील का पत्थर है, जिनकी निर्देशन और कहानी कहने की क्षमता ने शाहरुख के सबसे यादगार प्रदर्शन को परिपूर्ण मंच प्रदान किया।

## फिल्म समीक्षा

### तकनीकी रूप से दमदार फिल्म

ऋषभ शेषी ने एक बार फिर कंतारा वर्ल्ड में जादू बिखेरा है, उनका लेखन, निर्देशन और अभिनय, सब दमदार है। तीन साल पहले आई कंतारा सिर्फ़ 16 करोड़ में बनी थी, इस बार निर्माता ने ऋषभ के लिए 125 करोड़ का बजट रखा था और यह पर्दे पर भी साथ रहा है कि इन्हें बजट में इन्होंने बढ़ा दिया है। एक बार तो हमें यह पढ़े होंगे कि नोरा फतेही ने स्ट्रगल के दिनों में क्या सहा है।



समीक्षक- शिवकांत पालवे



## आलोचनाओं ने मुझे और ज्यादा प्रेरित किया: भूमि पेड़नेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेड़नेकर का कहना है कि आलोचनाओं ने उन्हें और ज्यादा प्रेरित किया है। मिल्केन इंस्टीट्यूट के 12 वें एशिया स्मिट में दुनिया भर के बड़े लड़कों के बीच, बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेड़नेकर ने अपनी निजी कहानी, हिम्मत और समर्पण आर्टिस्ट के लिए पहचानते हैं। नोरा फतेही ने अपने एस्यू और मेहनत से जो युवाओं पर यह दिया है, वह किसी प्रेरणा से कम नहीं। उन्होंने साबित किया कि असली सफलता वही है, जो कठिनाइयों से होकर निकलती है। अज वह न केवल एक स्पॉफ एरर्टिस्ट है, जो युवाओं को यह सदेश देती है कि “खुब पर भरोसा रखो, क्योंकि अगर तुम खुद पर विश्वास करोगे, तो पूरी दुनिया तुम्हारे साथ खड़ी होगी।”

### एडवेंचर फिल्म इलियो

इलियो एक अमेरिकन एनिमेटेड साइंस फिल्म है, जिसका निर्माण पिक्सर एनिमेशन स्टूडियो ने वॉल्ट डिज्जी प्रिंसेपल्स के लिए किया है। शानदार, मूर्खाल, खूबसूरत सिनेमेटोग्राफी और ढेर सारे क्यूट कैरबर के साथ इलियो नमोंरेंजन करने में सफल रही। एनिमेशन का अपना ही स्वाद अपना ही मजा है। जब-जब बचपन की तरफ लीटोन का मन करता है तो एनीमेटेड मूर्खी ढूँढ़ कर बैटे बैटे के साथ रहती है। यहां, कोई एक नवजात शिशु वर्मी (ऋषभ शेषी) को कंतारा वर्ल्ड में छोड़ देती है और वहां एक नवजात शिशु वर्मी को बचाती है। एक बार तो हमें यह देखने को मिलता है कि उस समय के लोगों के साथ रहता है। बुआ वायु सेना में मेजर है, जो अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती है, पर भूतीजो के परवरण के अन्तर अपना सपना, सपना समझ भूल जाने की कोशिश करती है।



इलियो और ओला के बीच संबंध अच्छे नहीं हैं, जिसके चलते इलियो दूर अंतरिक्ष में दूसरे गृह पर जाने की जिद पर आ जाता है। एक दिन वो सैन्य टिकानों से संदेश भेजता है, जिसे सुन एलियोंस इलियों को अपने साथ ले जाते हैं। वहां जाकर इलियों क्या-क्या गुल खिलाता है यह देखना बड़ा मजेदार है।

हालांकि फिल्म साधारण है, जिस तरह की एनिमेटेड फिल्मों का हॉलीवुड में इंविटाशन

मैं ईरानी सिनेमा का शौकीन हूं और शायद मैं ही नहीं विश्व सिनेमा का हर संजीदा दर्शक ईरानी फिल्मों का दीवाना होता हूं। इन फिल्मों का स्तर अंतर्राष्ट्रीय होता है। माजिद मजीद और दारिश मेहरजुर्ज जैसे ख्याली दर्शक ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है और नेटप्लिटवर्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म एक्सप्रेस्ट्रेक्शन में भी काम किया है। इन्हें महज 14 साल की उम्र में नामी निर्देशक दारिश मेहरजुर्ज की फिल्म ‘द पीयर ट्री’ में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया है। इस भूमिका के लिए गोलशिफ्टरोंही को तेहरान में 16 वें ‘फ्रेंज इंटरनेशनल फिल्म फैस्टिवल’ के अंतर्राष्ट्रीय खंड से सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के ‘क्रिस्टल रॉक’ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।





